कानपुर, मंगलवार, 17 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 46, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड भारत की सैन्य कार्रवाई और संयम की सराहना...>Pg12

कोचिंग के लिए निकली छात्रा एक माह से लापता...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

लखनऊ में कांग्रेस-पुलिस के बीच टकराव

प्रदर्शन रोकने पर भिड़े कांग्रेसी कार्यकर्ता पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कई नेताओं को हटाकर ईको गार्डन भेजा गया

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। लखनऊ में विधानसभा घेराव के ऐलान से पहले सियासी माहौल उस समय गरमा गया जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कांग्रेस कार्यालय के बाहर तीखी झड़प हो गई। भारी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने कई लेयर की बैरिकेडिंग की थी, लेकिन नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता आगे बढ़े और बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इस दौरान जमकर धक्का-मुक्की हुई और हालात तनावपूर्ण हो गए।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और विधायक आराधना मिश्रा भी बैरिकेडिंग पर चढ़े दिखाई दिए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें नीचे उतारने की कोशिश की। उतरते समय अजय राय का पैर फिसल गया और वे लड़खड़ा गए, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें संभाल लिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अनावश्यक सख्ती दिखाई और कार्यकर्ताओं पर बल प्रयोग किया।

विधानसभा का बजट सत्र चलने के कारण प्रशासन पहले से अलर्ट मोड पर था। कांग्रेस के प्रस्तावित घेराव को देखते हुए पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। अतिरिक्त फोर्स, दंगा नियंत्रण वाहन और कई थानों की पुलिस पहले से तैनात थी। हालात बिगड़ते देख आरएएफ और पीएसी के जवानों को आगे किया गया। पुलिस के मुताबिक 1000 से अधिक कार्यकर्ताओं की भीड़ को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर बसों में बैठाया गया और उन्हें ईको गार्डन भेज दिया गया। बसों में बैठाने के दौरान भी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी रखा। प्रदर्शन मनरेगा से जुड़े मुद्दों, शंकराचार्य विवाद और अहिल्याबाई होल्कर से जुड़े सम्मान के सवाल को लेकर घोषित किया गया था। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। उधर बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया समेत प्रदेशभर के 300 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को लखनऊ आने से पहले ही रोक लिया गया। कई स्थानों पर उन्हें हाउस अरेस्ट किए जाने का दावा किया गया है। रायबरेली में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी की पुलिस अधिकारियों से तीखी नोकझोंक हुई। वहीं हरदोई रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस के 8 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया, जो लखनऊ जाने की तैयारी में थे। कांग्रेस का आरोप है कि विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश के पुलिस का सख्त रुख के जरिये की जा रही है।

रिश्तों के 'राफेल' को मिलेगी नई उड़ान

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत दौरे पर आए, रक्षा, एआई, व्यापार और इंडो-पैसिफिक सहयोग पर व्यापक वार्ता

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे हैं। दौरे के दौरान उनकी उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हो रही है। इस बैठक में भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उन्नत तकनीक, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है।

दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठकों में रणनीतिक साझेदारी को अगले चरण में ले जाने पर जोर है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार वार्ता का फोकस दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, संयुक्त उत्पादन और नवाचार आधारित सहयोग को मजबूत करना है।

वार्ता के केंद्र में रक्षा क्षेत्र का सहयोग प्रमुख है। राफेल लड़ाकू विमानों से जुड़े बड़े सौदे पर प्रगति, उन्नत रक्षा प्लेटफॉर्म, मिसाइल और एवियोनिक्स सिस्टम में साझेदारी, तथा ÷मेक इन इंडिया÷ के तहत संयुक्त निर्माण की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है। इसके साथ ही नौसैनिक सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और समुद्री सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया है।

➪ भारत-फ्रांस शिखर वार्ता में राफेल डील, उन्नत तकनीक, निवेश, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग प्रमुख मुद्दे

तकनीक और डिजिटल सेक्टर में दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, सुपरकंप्यूटिंग और डेटा गवर्नेंस पर साझा ढांचा विकसित करने पर विचार कर रहे हैं। स्टार्टअप, रिसर्च संस्थानों और डीप-टेक कंपनियों के बीच सीधे सहयोग, संयुक्त इनोवेशन प्रोग्राम और रिसर्च एक्सचेंज को बढ़ाने पर भी सहमति का माहौल है।

व्यापार और निवेश के मोर्चे पर एयरोस्पेस, रक्षा निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग में फ्रांसीसी निवेश बढ़ाने पर बातचीत हो रही है। औद्योगिक साझेदारी, स्किल डेवलपमेंट और टेक्निकल ट्रेनिंग प्रोग्राम को भी एजेंडा में शामिल किया गया है।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन, मुक्त समुद्री मार्ग और क्षेत्रीय स्थिरता पर दोनों देशों का साझा रुख दोहराया गया है। समुद्री निगरानी, सूचना साझाकरण और हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई है। साथ ही जलवायु परिवर्तन, ग्रीन एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग की समीक्षा भी की जा रही है। कुल मिलाकर यह दौरा बहु-क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करने, बड़े रक्षा और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने और दीर्घकालिक रणनीतिक तालमेल को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

- ❑ राष्ट्रपति मैक्रों का आधिकारिक भारत दौरा
- ❑ प्रधानमंत्री मोदी के साथ शिखर स्तर की द्विपक्षीय वार्ता
- ❑ राफेल और अन्य रक्षा सौदों पर प्रगति चर्चा
- ❑ मेक इन इंडिया के तहत संयुक्त रक्षा उत्पादन पर जोर
- ❑ एआई, साइबर सुरक्षा और उन्नत तकनीक में सहयोग
- ❑ स्टार्टअप और रिसर्च पार्टनरशिप बढ़ाने की योजना
- ❑ एयरोस्पेस, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश वार्ता
- ❑ इंडो-पैसिफिक और समुद्री सुरक्षा पर रणनीतिक समन्वय
- ❑ ग्रीन एनर्जी और न्यूक्लियर ऊर्जा सहयोग की समीक्षा

असलहा लाइसेंस रिन्यू न करवाने वालों की बनेगी लिस्ट

मंडलायुक्त पहुंचे कलेक्ट्रेट, बोले-बड़े बकायेदारों पर चलेगा अभियान, वसूली होगी

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने मंगलवार सायं कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि लंबित मामलों, राजस्व वसूली और लाइसेंस नवीनीकरण जैसे मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्ट्रेट पहुंचने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मंडलायुक्त को विभिन्न शाखाओं, न्यायालयों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर मंडलायुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर देकर औपचारिक स्वागत किया गया।

चार बजे पहुंचे मंडलायुक्त ने जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय, एडीएम न्यायिक न्यायालय, एडीएम सिटी न्यायालय, एसडीएम सदर न्यायालय, एफएसडीए स्टोर रूम, एनआईसी कक्ष, औषधि निरीक्षक कार्यालय

समेत कई शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव, वादों की प्रगति और कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए पारदर्शिता और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शस्त्र लाइसेंस पर विशेष फोकस

शस्त्र अनुभाग के निरीक्षण में बताया गया कि जनपद में कुल 39,318 शस्त्र लाइसेंस निर्गत हैं। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि पिछले पांच वर्षों से जिन लाइसेंस धारकों ने नवीनीकरण नहीं कराया है, उनकी अलग सूची तैयार कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

आपदा राहत और बीमा प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण

मुख्य राजस्व लेखाकार कार्यालय में उन्होंने दैवीय आपदा राहत एवं कृषक दुर्घटना बीमा योजना से जुड़े मामलों की समीक्षा की और सभी लंबित प्रकरण शासन की समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए।

साथ ही जनपद के बड़े राजस्व बकायेदारों की सूची की समीक्षा करते हुए अभियान चलाकर वसूली तेज करने को कहा।

जनसुनवाई और प्रमाणपत्र सेवाओं की समीक्षा

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई व्यवस्था, फरियादियों के लिए प्रतीक्षाकक्ष और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।

मंडलायुक्त ने आईजीआरएस, जाति व निवास प्रमाणपत्र, मत्स्य पट्टा तथा कुम्हारी कला पट्टा से जुड़े आवेदनों की प्रगति भी परखी। एडीएम न्यायालय में 266 राजस्व वाद और 586 किरायेदारी वाद लंबित पाए गए

जिनमें पांच वर्ष से अधिक पुराने मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए।

विकास परियोजनाओं के लिए भूमि का यथार्थ आकलन

निरीक्षण के दौरान अर्बन सीलिंग और रूरल सीलिंग भूमि का अद्यतन विवरण प्रस्तुत करने को कहा गया, ताकि विकास परियोजनाओं के लिए उपलब्ध भूमि का सही आकलन किया जा सके।

इस मौके पर एडीएम वित्त एवं राजस्व विवेक चतुर्वेदी, एडीएम (एलए) संतोष कुमार राय, एडीएम (सिविल सप्लाई) राजेश कुमार, एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बीमारी से जूझ रहे एयरफोर्स कर्मी ने खुद को आग लगाकर दी जान

» स्पाइन की बीमारी से लंबे समय से थे परेशान, पुलिस जांच में यही कारण आया सामने

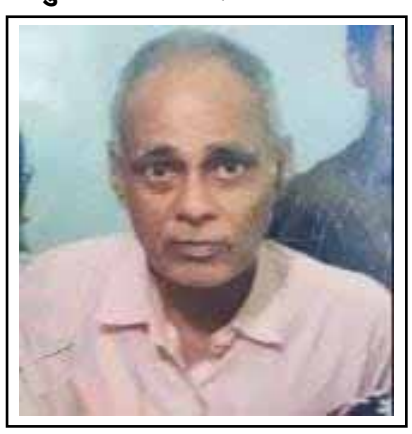

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां स्पाइन की गंभीर बीमारी से परेशान एक एयरफोर्स कर्मी ने खुद को आग लगाकर जान दे दी। इलाज के दौरान सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई।मृतक 58 वर्षीय कर्मचारी भारतीय वायु सेना में सिविलियन मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) पद पर कार्यरत थे और अहिरवां के संजीव नगर इलाके के निवासी थे।

परिजनों के अनुसार वे लंबे समय से रीढ़ की बीमारी से जूझ रहे थे और उनका उपचार चल रहा था।बताया गया कि रविवार शाम परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। इसी दौरान उन्होंने खुद को आग लगा ली।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाकर उन्हें तुरंत कांशीराम अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उर्सुला अस्पताल रेफर कर दिया गया।पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में बीमारी से मानसिक रूप से परेशान होकर आत्मघाती कदम उठाने की बात सामने आई है। मामले की आगे जांच की जा रही है।

श्यामनगर में लूट की अफवाह निकली झूठी

» पुलिस का दावा है कि टक्कर के बाद हुई थी

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। श्यामनगर स्थित शताब्दी उद्यान मोड़ के पास 16.02.2026 को सोशल माध्यम और समाचार पत्रों में प्रकाशित कथित लूट की घटना की जांच में मामला भ्रामक निकला। पुलिस के अनुसार यह घटना लूट नहीं बल्कि दो मोटरसाइकिलों की टक्कर के बाद हुई मारपीट की थी।

पुलिस ने बताया कि नौबस्ता थाना क्षेत्र निवासी मो0 वाशिद अपने साथी अरशद खान उर्फ सानू के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे।

इसी दौरान दूसरी मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। इसके बाद दूसरी मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों और उनके दो साथियों ने दोनों के साथ मारपीट कर दी, जिससे उन्हें चोटें आईं।

सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पीड़ित से तहरीर मांगी गई। प्रारंभिक घबराहट और मानसिक तनाव के कारण पीड़ित ने लूट की सूचना दे दी थी, लेकिन बाद में लिखित प्रार्थना पत्र देकर स्वयं ही लूट की घटना से इंकार कर दिया तथा किसी विधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उपलब्ध साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर प्रथम दृष्टया लूट की घटना असत्य पाई गई है।

हालांकि मारपीट में शामिल लोगों की पहचान और वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और स्थानीय सूचना तंत्र के माध्यम से जांच जारी है।सत्यजीत गुप्ता, पुलिस उपायुक्त पूर्वी, ने बताया कि जांच के आधार पर आगे आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

फरवरी में ही मई जैसी तपन, नौ साल का टूटा रिकॉर्ड

कानपुर। कानपुर में फरवरी में सामान्य से कम बारिश होने के कारण गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। 16 फरवरी को पारा 28.4 डिग्री पहुंच गया, जो नौ साल में सबसे अधिक है। 25 फरवरी से भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है। फरवरी महीने में इस बार निर्धारित 20 मिमी के बजाय मात्र पांच मिमी बारिश होने से गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 25 फरवरी के बाद झुलसाने वाली गर्मी पड़ सकती है। सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री बढ़कर 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम पारा दो डिग्री बढ़कर 11 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, नौ वर्ष बाद 16 फरवरी को इतना तापमान दर्ज किया गया है।इससे पहले वर्ष 2016 महानगर को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आगे भी इसी रफ्तार से तापमान बढ़ेगा। संभावना है कि 25 फरवरी के बाद से झुलसाने वाली गर्मी पड़ना शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, आम तौर पर गर्मी का सीजन 10 से 15 मार्च के बाद शुरू होता है ।

अवैध बस स्टैंड का खेल: आदेश कागजों में सड़कों पर डग्गेमारों का राज

कार्रवाई के निर्देशों के बावजूद घंटाघर-कोपरगंज मार्ग पर खुलेआम अवैध संचालन, जाम और राजस्व नुकसान से पब्लिक परेशान

- घंटाघर-कोपरगंज मार्ग पर सड़क किनारे अवैध मिनी बस स्टैंड संचालित
- सीपीसी रेलवे माल गोदाम गेट नंबर 4 के बाहर सवारी और माल की खुलेआम लोडिंग
- डग्गेमार बसें और मैजिक वाहन बीच सड़क पर रोककर सवारी भर रहे
- रोजाना जाम और दुर्घटना का बढ़ता खतरा
- बिना परमिट व टैक्स संचालन से सरकारी राजस्व को नुकसान
- वैध वाहन संचालकों के सामने असमान प्रतिस्पर्धा की स्थिति
- स्थानीय लोगों ने यातायात पुलिस और थाना पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए
- कार्रवाई के सरकारी आदेशों के बावजूद जमीनी अमल कमजोर
- व्यापारियों और यात्रियों दोनों को हो रही असुविधा
- क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध संचालन रोकने की मांग

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में अवैध बस स्टैंड और डग्गेमार वाहनों का संचालन एक बार फिर कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। घंटाघर से कोपरगंज जाने वाले व्यस्त मार्ग पर सड़क किनारे ही अस्थायी मिनी बस स्टैंड संचालित किया जा रहा है, जहां खुलेआम सवारियां भरी जा रही हैं और माल की ओवरलोडिंग हो रही है। इससे रोजाना यातायात व्यवस्था चरमरा रही है और राहगीरों को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार सीपीसी रेलवे माल गोदाम गेट नंबर 4 के बाहर सड़क का बड़ा हिस्सा अवैध रूप से बसों और अन्य व्यावसायिक वाहनों के कब्जे में है। यहां बिना किसी अनुमति के वाहन खड़े कर यात्रियों को बैठाया जाता है। कई बार बसें और मैजिक वाहन बीच सड़क पर रोककर सवारी भरते हैं, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है और दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अवैध परिवहन और अतिक्रमण पर सख्ती के स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर हालात जस के तस बने हुए हैं। सवाल उठ रहा है कि जब सख्त आदेश जारी हैं तो फिर इस तरह का खुला अवैध संचालन किसके संरक्षण में चल रहा है।

डग्गेमार बसों के संचालन से सरकार को प्रत्यक्ष रूप से राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। नियमों के तहत परमिट, टैक्स और फिटनेस मानकों का पालन करने वाले वाहन जहां निर्धारित शुल्क देते हैं, वहीं अवैध रूप से चलने वाले वाहन बिना किसी कर भुगतान के सवारी और माल ढुलाई कर रहे हैं। इससे न सिर्फ सरकारी खजाने को चूना लग रहा है, बल्कि वैध ऑपरेटरों के सामने भी असमान प्रतिस्पर्धा की स्थिति पैदा हो रही है।

स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों का आरोप है कि यातायात पुलिस और संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस की अनदेखी के बिना इतना बड़ा अवैध नेटवर्क चल पाना संभव नहीं है। रोजाना लगने वाले जाम से दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, जबकि यात्रियों को जोखिम भरा सफर करना पड़ रहा है। अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। लोगों की मांग है कि अवैध बस स्टैंड और डग्गेमार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और जनता को राहत मिल सके।

कोचिंग के लिए निकली नाबालिग छात्रा एक माह से लापता, कार्रवाई पर उठे सवाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय इंटर की छात्रा के एक महीने से लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी के परिजन लगातार पुलिस और अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। मामले में पुलिस की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

परिजनों के मुताबिक, उनकी बेटी 19 जनवरी को दोपहर करीब 3:15 बजे कोचिंग के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह कोचिंग सेंटर तक नहीं पहुंची। शाम 5:40 बजे परिजनों की उससे आखिरी बार फोन पर बात हुई, जिसके बाद से उसका मोबाइल फोन बंद जा रहा है। काफी तलाश के बाद भी जब कोई जानकारी नहीं मिली तो परिवार ने थाने में शिकायत दी।

पिता का आरोप है कि पुलिस ने गुमशुदगी के चार दिन बाद 23 जनवरी को मुकदमा दर्ज किया। इससे पहले लगातार टालमटोल की जाती रही। परिजनों का यह भी आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर थाने में 5,000 रुपये मांगे गए और जांच के लिए किराये की गाड़ी मंगवाई गई, लेकिन उन्हें साथ तक नहीं ले जाया गया।

⇨ परिजनों ने पुलिस पर रिश्वत मांगने का लगाया आरोप

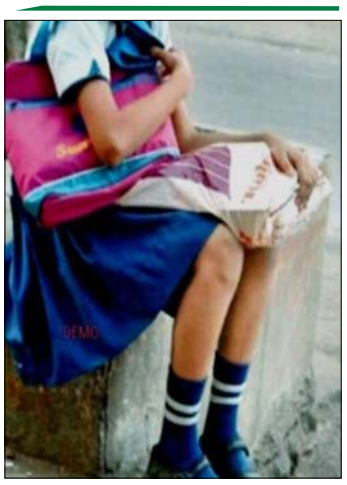

परिवार का कहना है कि वे कई बार उच्च अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन हर जगह केवल आश्वासन मिल रहा है। पुलिस की ओर से अब तक न तो जांच की प्रगति बताई जा रही है और न ही कोई ठोस सुराग साझा किया गया है। परिजन रो-रोकर बेटी की सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगा रहे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

सांसद रमेश अवस्थी के प्रयास और कॉरपोरेट सहयोग से शहर में शुरू हुई उन्नत एसीएलएस एंबुलेंस सेवा

कानपुर को मिली अत्याधुनिक कार्डियक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस

आपातकालीन सेवाओं को नई मजबूती

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जेके सीमेंट लि. ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत दो अत्याधुनिक एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस समर्पित की हैं। यह सुविधा सांसद रमेश अवस्थी के प्रयासों से शहर को प्राप्त हुई है।

एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ सांसद ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कहा कि उन्नत जीवनरक्षक उपकरणों से लैस ये एंबुलेंस गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही जरूरी उपचार उपलब्ध कराएंगी, जिससे कई जिंदगियां बचाई जा सकेंगी। उन्होंने इस सहयोग के लिए जेके समूह का आभार भी व्यक्त किया।

सांसद ने बताया कि इस संबंध में उनकी दिल्ली में कंपनी के प्रबंध निदेशक राघवपत सिंहानिया से चर्चा हुई थी। सकारात्मक संवाद के बाद कंपनी ने मात्र दो माह के भीतर योजना को अमल में लाते हुए एंबुलेंस उपलब्ध करा दीं। प्री-हॉस्पिटल इमरजेंसी केयर को मजबूत करने के उद्देश्य से ये एसीएलएस एंबुलेंस

माउंटेन मेडिसिन सोसाइटी को संचालित करने के लिए सौंपी गई हैं। कार्यक्रम में मंडलायुक्त, केडीए वीसी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी समेत कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और चिकित्सक मौजूद रहे। डॉ. सिंघानिया ने कहा कि कानपुर केवल औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि कंपनी के लिए घर जैसा शहर है। औद्योगिक प्रगति के साथ सामाजिक दायित्व निभाना भी उतना ही जरूरी है। इन एंबुलेंसों के माध्यम से जरूरतमंदों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और उन्नत आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना ही मुख्य उद्देश्य है। सांसद ने इसे सार्वजनिक-निजी सहभागिता का मजबूत उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे को नई गति मिलती है।

एक घंटे लेट खुली वोटिंग, क्यूआर कोड और सीओपी कार्ड से हो रहा वोट

बार एसोसिएशन चुनाव में जबरदस्त उत्साह, आधे से ज्यादा मतदान पूरा

» 94 प्रत्याशी मैदान में, 16 बूथों पर हाईटेक निगरानी

» एक घंटे लेट खुला मतदान, 55प्रतिशत वोटिंग तक लंबी कतारें

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।बार एसोसिएशन चुनाव के लिए मतदान तय समय से करीब एक घंटे की देरी से शुरू हो सका। शुरुआत में प्रत्याशियों के सामने मतपेटियां सील की गईं, जिसके बाद सबसे पहले उम्मीदवारों ने अपने वोट डाले। मतदान शुरू होते ही अधिवक्ताओं की लंबी लाइन कॉलेज के सामने तक लग गई। एल्डर्स कमेटी के सदस्य गेट पर सीओपी (सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस) कार्ड और प्रमाणपत्र की जांच के बाद ही मतदाताओं को प्रवेश दे रहे हैं। दोपहर तीन बजे तक 4012 अधिवक्ता वोट डाल चुके थे, जो कुल मतदान का लगभग 55 प्रतिशत बताया गया।94 प्रत्याशी मैदान में, 16 बूथों पर हाईटेक निगरानी

बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष समेत विभिन्न पदों के लिए कुल 94 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं, जबकि 7198 मतदाता भाग्य का फैसला करेंगे। मतदान के लिए 16 बूथ बनाए गए हैं। क्यूआर कोड स्लिप और सीओपी कार्ड अनिवार्य किया गया है ।

तथा मोबाइल ले जाने पर रोक है। व्यवस्था संभालने के लिए 60 सेवानिवृत्त फौजी, 35 कर्मचारी और एल्डर्स कमेटी के 20 अधिवक्ता तैनात हैं। सुरक्षा के लिए 600 पुलिसकर्मी और अधिकारी लगाए गए हैं। पूरी प्रक्रिया की निगरानी 80 सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है, जबकि बाहर प्रत्याशी समर्थकों की नारेबाजी से माहौल गरमाया हुआ है।

इंसानियत हुई शर्मसार

पालीथिन में मिला नवजात का शव

» सड़क किनारे फेंका गया अविकसित शिशु, देखकर दहल उठे लोग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के द्विवेदी नगर में मंगलवार सुबह मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। नाले के किनारे सड़क पर काली पालीथिन में एक अविकसित नवजात शिशु का शव पड़ा मिला, जिसे आवारा जानवर नोंच रहे थे। राहगीरों ने दुर्गंध और जानवरों के झुंड को देखकर शक होने पर पास जाकर देखा तो पालीथिन के अंदर नवजात का शव मिला।

सूचना फैलते ही इलाके में सनसनी मच गई।स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और क्षेत्रवासियों से पूछताछ कर रही है, ताकि नवजात को यहां फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान हो सके। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह के अनुसार मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जिम्मेदार लोगों तक जल्द पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

सम्पादकीय

शिखर सम्मेलन से दुनिया में भारतीय दस्तक

भारत ने बदलती वैश्विक हवा की दिशा-दशा को पहचानते हुए देश में जिस सबसे बड़ी एआई समिट आयोजित कराने का फैसला किया, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन की सार्थकता का पता इस बात से चलता है कि इसमें सौ बड़ी कंपनियों के सीईओ, बीस के करीब देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 135 देशों के प्रतिनिधि जुटने की बात कही जा रही है। हाल के वर्षों में, दुनिया के सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में एआई को लेकर जिस तरह का उत्साह व जुनून देखने को मिल रहा है, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वो देश को दुनिया में एआई का हब बना ही देगा। वहीं दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई भारत में आम लोगों के जीवन में बदलाव की वाहक बने। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भारत समेत दुनिया के देशों में आज सुशासन, विकास व नागरिक सेवाओं के बेहतर निस्तारण में कारगर भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि ग्लोबल साउथ के देश हमारी ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत द्वारा विकसित एआई के दिशा-निर्देश और नीतियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिये मददगार साबित होंगी। आज दुनिया में विकसित व धनी देश एआई को अपनी संकीर्ण आर्थिक व राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन बना रहे हैं, उससे गरीब व विकासशील देशों में असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। यह सुखद ही कि देश की राजधानी दिल्ली पांच दिन तक दुनिया में एआई कैपिटल बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर, 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही पांच दिवसीय इंडिया समिट में करीब तीन लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना, इस आयोजन की सार्थकता व सफलता को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं है कि हाल के वर्षों मे भारत ने खुद को एक एआई पॉवर हाउस के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। साथ ही विशाल डाटा संसाधन के साथ ही एआई वर्क फोर्स को भी तैयार किया है।निस्संदेह, इंडिया समिट तकनीकी क्रांति के बीच नई संभावनाओं को तलाशने की भारत की सकारात्मक पहल है। विश्वास किया जा रहा है कि इस सम्मेलन के जरिये भारत दुनिया में एआई को जवाबदेह, स्थायी और समावेशी तकनीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में एआई की स्वीकार्यता व कारोबार तेजी से बढ़ा है। लेकिन विडंबना यह है कि तमाम धनी राष्ट्रों में इस तकनीक को अपना जिन्न बनाने की होड़ लगी है। जो कालांतर दुनिया में पहले से ही व्याप्त आर्थिक असमानता को और ही बढ़ाएगा। सही मायनों में दुनिया में समावेशी समाज बनाने और आर्थिक विषमता को दूर करने के लिये जरूरी है कि एआई का उपयोग लोकतांत्रिक तरीके से नैतिकतापूर्ण ढंग से किया जाए। विश्वास किया जाना चाहिए कि इंडिया समिट में दुनिया के देश एआई तकनीक के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी मंथन करेंगे। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि एआई तेजी से दुनिया में विस्तार तो पा रही है, मगर यह तकनीक मानव जीवन के लिये कई तरह के खतरे भी पैदा कर रही है। हाल के वर्षों में दुनिया में एआई के दुरुपयोग के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। जाहिर है इसके उपयोगकर्ताओं में इसको लेकर भरोसा कायम रहना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि इंडिया समिट में एआई की विश्वसनीयता बनाने की दिशा में कोई सार्थक पहल होगी।

नये परिदृश्य में हसीना के प्रत्यर्पण का यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

'शिव' महादेव हैं और काम रूप-सौन्दर्य का देवता। दोनों एक ही कुल अर्थात देव-समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं। शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता।पौराणिक आख्यानों के अनुसार सौन्दर्य के देवता कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या में विघ्न उत्पन्न किया और भगवान शिव ने उसे अपने तृतीय नेत्र की क्रोधाग्नि से भस्म कर दिया किन्तु जब काम की पत्नी रति ने शिव से प्रार्थना की और अपने पति को पुनः जीवित करने का वरदान माँगा तब शिव ने काम को देह रहित रूप में संसार को प्रभावित करने की शक्ति देकर उसे पुनर्जीवित कर दिया तथा वह मानसिक स्तर पर सक्रिय होकर संसार को संचालित करने लगा।

उसके नए नाम मनसिज, मनोज, अनंग आदि प्रचलित हो गए।'शिव' महादेव हैं और काम रूप-सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव-समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता। वह शाश्वत है, सनातन है। इसीलिए शिव उच्च स्तर पर प्रतिष्ठित महादेव हैं और अधिक शक्ति सम्मान्न है। कामदेव का स्वरूप वैविध्यपूर्ण है।" ।शिव द्वारा काम-दहन की कथा कल्याण के पथ पर कामनाओं के नियंत्रण का संदेश है। अच्छी-बुरी अनंत कामनाओं को साथ लेकर मनुष्य अपना कल्याण नहीं कर सकता, साथ ही वह समस्त कामनाओं को त्यागकर भी जीवित नहीं रह सकता। जीवन मैं सुख शांति और आनंद की प्राप्ति के लिए अच्छी कामनाओं का होना भी आवश्यक है। कामनाएं ही मनुष्य को कर्मपथ पर प्रेरित करती हैं। इसीलिए शिव एक बार काम को पूर्णतया समाप्त करके उसे पुनः जीवन देते हैं। अभिप्राय यह कि मानव-मन में निहित समस्त दुरभिलाषाओं को समाप्त कर संसार के कल्याण के लिए आवश्यक अभिलाषाओं को पुनः प्रोत्साहित करना मानव जीवन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है।कामदेव सौन्दर्य के देवता हैं। सौन्दर्य सदा आकर्षित करता है तथा मन में इच्छाओं को जन्म देता है। वे इच्छाएँ जब मानवीय गरिमा, सामाजिक मर्यादा और न्यायसंगत होती हैं तब शिव की कल्याणरुपिणी शक्ति बनती हैं किन्तु जब मानव मूल्यों के विरुद्ध निजी दुरभिलाषाओं और स्वार्थों के लिए सक्रिय होती हैं तब उनका नाश करना अथवा संयम के बल पर उन्हें नियन्त्रित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। काम के इस अशिव रूप का नाश किए बिना शिव अर्थात कल्याण प्राप्ति की साधना पूर्ण नहीं हो सकती।कामदेव को भस्म करने वाला शिव का तृतीय नेत्र ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है। जब तक तीसरा नेत्र नहीं खुलता तब तक कामनाएँ भस्म नहीं होतीं।

ज्ञान और वैराग्य का तीसरा नेत्र जब खुलता है तब मनुष्य के मन में संयम, संतोष, त्याग, परोपकार, अपरिग्रह जैसे मूल्य पुष्ट होते हैं और लोभ, मोह, अभिमान, स्वार्थपरता, हिंसा, व्यभिचार जैसी दुर्वृत्तियां समाप्त हो जाती हैं और कल्याण की प्राप्ति होती है। कामदेव का देहनाश 'जर-जोरू और जमीन' के लिए होने वाले संघर्ष को विराम देने का अर्थ व्यक्त करता है क्योंकि काम के इस भौतिक स्वरूप का नाश हुए बिना शिव की तपस्या अर्थात कल्याण की प्राप्ति असंभव है ।काम के अनेक अर्थ हैं। काम को स्त्री-पुरुष के शारीरिक संबंध के अतिरिक्त धन, पद, यश, सम्मान आदि कामनाओं के अर्थ में भी ग्रहण किया जाता है। काम का स्वरूप अत्यंत सुन्दर है अर्थात इन समस्त कामनाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य यदि दूसरों के अधिकारों का अपहरण, शोषण-उत्पीड़न न करे, माननीय गरिमा और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरुप कार्य करे तो इनकी सकारात्मक सक्रियता जीवन में सौदर्य का विधान रचती है ।

प्रगतिशील दृष्टि से देखें फिल्मों में अभिव्यक्ति

आहत मन और आफत

निरंजन भंडारी

लीक से हटकर जो किताबें और फिल्में होती हैं, वे हमारे चेतना-तंतुओं को झकझोरने का काम करती हैं। ऐसी किताबें और फिल्में अनेक तरह के सवाल तो उठाती ही हैं, कई पारम्परिक धारणाओं को भी तोड़ती हैं।क्या हमारे समाज में जाति और धर्म के नाम पर असहिष्णुता और बढ़ रही है? क्या इस दौर में जाति और धर्म के नाम पर लोगों की भावनाएं कुछ ज्यादा ही आहत नहीं होने लगी हैं? ताजा मामला है 'घूसखोर पंडत' फिल्म का। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म का टाइटल बदलने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने विवेक से यह फैसला दिया है। इसलिए इस फैसले पर कोई सवाल नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अलग इस मुद्दे पर कई सवाल खड़े होते हैं।

एक फिल्म का टाइटल यदि किसी समाज की भावनाएं आहत कर दे तो यह सवाल तो उठेगा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी क्या हम एक प्रगतिशील समाज बना पाए हैं?एक काल्पनिक फिल्म और काल्पनिक किरदार यदि किसी समाज की भावनाएं आहत करने की हिम्मत रखता है तो यह सवाल भी उठेगा कि क्या हमारी भावनाएं भी तो काल्पनिक नहीं हो गई हैं। यह केवल ब्राह्मण समाज का मामला नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे पर किसी जाति या किसी धर्म के लोगों की भावनाएं आहत होती रहती हैं। बहरहाल, अब इस फिल्म का टीजर और उससे जुड़ी सभी प्रमोशनल सामग्री नेटफ्लिक्स इंडिया के सोशल मीडिया अकाउंट और यूट्यूब से हटा ली गई हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में सूचना और प्रसारण मंत्रालय को नोटिस जारी कर दिया है। आयोग ने कहा है कि इस तरह के टाइटल और फिल्म सामग्री से न केवल समुदायों के

बीच वैमनस्य बढ़ सकता है, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था को भी खतरा हो सकता है।हमारे देश में विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग रहते हैं। सभी जातियों और धर्मों के लोगों ने इस देश के विकास में अपना योगदान दिया है। जिस तरह अन्य जातियों और समाज के लोगों ने देश में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उसी तरह ब्राह्मण समाज के लोगों के योगदान को भी भूला नहीं जा सकता। इस फिल्म के टाइटल 'घूसखोर पंडत' पर कई लोगों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि 'पंडित' शब्द आम तौर पर ब्राह्मण समाज और धार्मिक विद्वानों से जुड़ा होता है लेकिन इसके साथ घूसखोर शब्द जोड़ना गलत है। लोगों का मानना है कि इसमें ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाया है।सवाल यह है कि अगर फिल्म में किसी एक जाति या समाज से जुड़ा कोई इंसान घूसखोर है और उसे घूसखोर या भ्रष्टाचारी दिखाया गया है और इसका टाइटल भी घूसखोर रखा गया है तो इससे उस पूरी जाति या समाज का अपमान कैसे हो गया? यदि एक चरित्र को उसकी जाति से जोड़कर घूसखोर लिखा गया है तो यह उस चरित्र के बारे में है न कि उस पूरे समाज के बारे में है। सवाल यह है कि इसे जानबूझकर एक जाति या समाज से जोड़कर क्यों देखा जा रहा है। इस दौर में हमारी भावनाएं इतनी जल्दी क्यों आहत होने लगती हैं? निश्चित रूप से यह समाज लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है लेकिन क्या एक पढ़े-लिखे समाज में हमारी मानसिकता भी बड़ी नहीं होनी चाहिए? क्या संकुचित मानसिकता से वास्तव में हम प्रगतिशील समाज के दायरे में आ पाएंगे? इस दौर में क्या हमारी समझ छोटी हो गई है या फिर हम जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं? कभी कोई किताब हमारी भावनाएं आहत कर देती है तो कभी कोई फिल्म हमारा अपमान कर देती है। क्या वास्तव में हम 21वीं सदी का समाज कहलाने लायक हैंहर जाति और धर्म में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। अगर अच्छाई और बुराई को हम किसी एक जाति या धर्म से जोड़कर देखने लगेंगे तो बहुत सारी समस्याएं पैदा हो जाएंगी। भ्रष्टाचार करने वाला इंसान किसी भी जाति या धर्म में हो सकता है। अगर किसी जाति या समाज का एक या कुछ इंसान भ्रष्टाचारी हैं तो इस आधार पर वह पूरा समाज भ्रष्टाचारी नहीं हो सकता। दरअसल, इस दौर में शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ। यह समाज पहले से अधिक पढ़ा-लिखा और प्रगतिशील है।

सीएनजी-पेट्रोल पंप के पास धधकी दो दुकानें, सिलेंडर फटने से दहशत

सुबह करीब चार बजे लगी आग, अंदर सो रहे दंपति को सुरक्षित निकाला बाहर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर। शिवराजपुर कस्बे में मंगलवार तड़के उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जीटी रोड किनारे पेट्रोल पंप के पास स्थित मिठाई व खानपान की दो दुकानों में अचानक भीषण आग भड़क उठी। सुबह करीब चार बजे लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। आग के दौरान गैस सिलेंडरों में हुए तेज धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। गनीमत रही कि दुकान के भीतर सो रहे दंपति को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के मुताबिक शिवराजपुर कस्बे में स्थिति पेट्रोल पम्प कसे करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित विनोद कोल्ड स्टोर के सामने जीटी रोड पर बबलू उर्फ सर्वेश गुप्ता की टीन और बांस के टट्टर से बनी दो दुकानें थीं। एक दुकान में मिठाई व फास्ट फूड का काम होता था, जबकि दूसरी में किराना सामग्री रखी जाती थी। सर्वेश गुप्ता अपनी पत्नी माया देवी के साथ रात में दुकान के अंदर ही सो रहे थे। तड़के अचानक धुआं और लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग तेजी से फैलती चली गई। स्थानीय लोगों ने जान जोखिम में डालकर शटर खुलवाया और दंपति को बाहर निकाला। इसी दौरान दुकान में रखे गैस सिलेंडर एक के बाद एक धमाके के साथ फटने लगे। धमाकों की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर सीएनजी व पेट्रोल पंप स्थित होने के कारण लोगों की सांसें थम सी गईं। आसपास के दुकानदार और राहगीर भयभीत हो उठे कि यदि आग ने और फैलाव लिया होता तो बड़ा विस्फोट हो सकता था। सूचना मिलते ही शिवराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक सर्वेश गुप्ता की दोनों दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थीं। पास की एक अन्य मिठाई की दुकान को भी भारी नुकसान पहुंचा है। लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह और तहसीलदार अनुभव चंद्रा मौके पर पहुंचे तथा हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। बिजली शॉर्ट सर्किट समेत अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। फिलहाल प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है और नुकसान का आंकलन कराया जा रहा है।

फर्जीवाड़े से जमीन बिक्री प्रकरण में चौथा आरोपी भी दबोचा गया

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर। बिल्हौर तहसील क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार कर कृषि भूमि की बिक्री के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस प्रकरण में तीन अन्य आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। जानकारी के मुताबिक, नानामऊ गांव के रहने वाले निशांत कुमार ने दिसंबर माह में बिल्हौर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी कृषि भूमि (गाटा संख्या 502) के संबंध में मुआयना कराने पर यह सामने आया कि किसी अन्य व्यक्ति ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का सौदा कर दिया है।पीड़ित का आरोप है कि गांव के अविरल सिंह ने उनकी जगह अपने फोटो का इस्तेमाल कर

➪ पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जा चुका जेल

जाली कागजात तैयार किए और उन्हीं के आधार पर जमीन को अभिनव मिश्रा के नाम बेच दिया। इस कथित सौदे में दो अन्य लोगों द्वारा सहयोग और झूठी गवाही देने की भी बात सामने आई।

मामला दर्ज होने के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। गुरुवार को पुलिस टीम ने झूठी गवाही देने के आरोपी रौनक शुक्ला को नानामऊ अंडरपास के पास से दबोच लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी अविरल सिंह, जमीन खरीदने वाले अभिनव मिश्रा और एक अन्य कथित गवाह को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

बूथ सशक्तिकरण पर बसपा का जोर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बहुजन समाज पार्टी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर चलाए जा रहे 'चलो बूथ की ओर' संगठनात्मक अभियान के तहत विधानसभा 209 बिल्हौर क्षेत्र में सोमवार को बूथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक सेक्टर प्रथम गांगूपुर के अंतर्गत बूथ संख्या 5 व 6 (धौरहरा, महदेवा) पर संपन्न हुई, जिसमें बूथ स्तर की तैयारियों, सदस्यता विस्तार और मतदाता संपर्क कार्यक्रम की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधानसभा प्रभारी विनय कुमार गौतम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ चुनावी जीत की सबसे अहम इकाई है और मजबूत बूथ संरचना ही पार्टी को सत्ता तक पहुंचाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची का घर-घर सत्यापन करने, नए

➪ 'चलो बूथ की ओर' अभियान में कार्यकर्ताओं को दिया गया जीत का मंत्र

मतदाताओं को जोड़ने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर सक्रिय टीम, नियमित बैठकें और सतत जनसंपर्क अभियान चलाकर संगठन को और मजबूत बनाया जाए। उन्होंने दावा किया कि जमीनी स्तर पर बढ़ते जनसमर्थन के आधार पर इस बार पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने की स्थिति में है। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष रमेश पाल, उपाध्यक्ष प्रेमचन्द्र बौद्ध, सचिव रामदास कठेरिया सहित सेक्टर और बूथ स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों और बूथ प्रबंधन से जुड़े सुझाव भी रखे, जिन पर संगठनात्मक स्तर पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया।

झाड़-फूंक के बहाने किशोरी से मारपीट, तीन गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर। शिवराजपुर थाना क्षेत्र के मानाताला गांव में अंधविश्वास के नाम पर एक किशोरी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बीमारी से परेशान परिवार जब इलाज की आस में झाड़-फूंक कराने पहुंचा, तो कथित तौर पर वहां मौजूद लोगों ने किशोरी के साथ ही हाथापाई कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़िता की मां सुमन के मुताबिक, उनकी बेटी काफी समय से अस्वस्थ चल रही थी। गांव में झाड़-फूंक करने वाले बालकराम के पास इलाज की उम्मीद से वे रविवार को पहुंचीं। आरोप है कि अनुष्ठान के दौरान ही माहौल बदल गया और बालकराम व उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों ने किशोरी के साथ मारपीट शुरू कर दी। परिजनों का कहना है कि इस दौरान पैसों की भी मांग की गई।मामले में बालकराम के अलावा अमित पाल और उसका बहनोई देशराज (निवासी मक्का निवादा, रसूलाबाद, कानपुर देहात) को नामजद किया गया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज

➪ राहगीरों से अभद्रता करने वाला युवक भी पहुंचा जेल

दिया गया। इसी क्रम में पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में एक अन्य युवक रंजीत कुमार गौतम को भी ईशेपुर गांव से गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह राहगीरों से अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा था। उसे भी न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

जेईई मेंस सेशन-1 का रिजल्ट आया

12 में से 11 टॉपर जनरल कैटेगरी के हिंदी पट्टी का एक बार फिर रहा दबदबा

9 प्रश्न ड्रॉप, 100 एनटीए स्कोर पाने वाले 12 अभ्यर्थी; राज्य और वर्गवार प्रदर्शन में उत्तर भारत आगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित जेईई मेंस 2026 सेशन-1 (पेपर-1 बीई/बीटेक) का परिणाम जारी कर दिया गया है। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परिणाम के साथ विस्तृत टॉपर सूची, राज्यवार प्रदर्शन और कैटेगरी आधारित स्कोर भी सार्वजनिक किए हैं। सेशन-2 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी साथ-साथ जारी है।इस बार सेशन-1 में कुल 12 अभ्यर्थियों ने 100 एनटीए स्कोर (परसेंटाइल) हासिल किया है। टॉप स्कोर हासिल करने वाले अभ्यर्थियों में हिंदी पट्टी और उत्तर भारत के राज्यों का स्पष्ट दबदबा देखने को मिला है। टॉपर्स में सबसे ज्यादा 3 छात्र राजस्थान से हैं। आंध्र प्रदेश से 2 अभ्यर्थियों ने परफेक्ट स्कोर प्राप्त किया है, जबकि दिल्ली, बिहार, ओडिशा, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना से 1-1 छात्र ने 100 परसेंटाइल हासिल किया।

दिल्ली के श्रेयस मिश्रा टॉपर सूची में प्रमुख नाम के रूप में सामने आए हैं। राज्यवार विश्लेषण के अनुसार 100 परसेंटाइल पाने वाले 12 टॉपर कुल 9 राज्यों से हैं, जो परीक्षा में व्यापक भौगोलिक भागीदारी को भी दर्शाता है।

महिला अभ्यर्थियों के प्रदर्शन की बात करें तो इस बार कोई भी छात्रा 100 एनटीए स्कोर हासिल नहीं कर सकी। हरियाणा की आशी ग्रेवाल ने 99.9969766 स्कोर के साथ फीमेल कैटेगरी में

दिल्ली के श्रेयर मिश्रा ने जेईई मेंस में किया आल इंडिया टॉप

शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। अन्य कई राज्यों के टॉपर्स के स्कोर 99.99 से 99.73 के बीच रहे हैं,

जो उच्च प्रतिस्पर्धा का संकेत है।कैटेगरी वाइज आंकड़ों में भी जनरल वर्ग का दबदबा रहा। 12 में से 11 टॉपर जनरल कैटेगरी से हैं। ओबीसी-एनसीएल वर्ग से 1 अभ्यर्थी ने 100 स्कोर प्राप्त किया। जनरल-ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग में भी कई अभ्यर्थियों ने 99.99 से ऊपर स्कोर दर्ज कराए हैं, जो आरक्षित वर्गों के मजबूत प्रदर्शन को दिखाता है।

प्रोविजनल आंसर-की पर मिली आपत्तियों की विशेषज्ञ जांच के बाद कुल 9 प्रश्न ड्रॉप किए गए हैं। इनमें मैथ्स के 2 और फिजिक्स के 7 प्रश्न शामिल हैं।

ये प्रश्न अलग-अलग तिथियों और शिफ्टों से संबंधित थे। ड्रॉप किए गए प्रश्नों का लाभ सभी परीक्षार्थियों को समान रूप से दिया गया है, जिससे स्कोर सामान्यीकरण में संतुलन रखा जा सके।

पिछले वर्षों से तुलना करें तो इस बार परफेक्ट स्कोर पाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या कम रही है। पिछले साल पहले सेशन में 23, वर्ष 2023 में 20 और वर्ष 2022 में 14 अभ्यर्थियों ने 100 परसेंटाइल हासिल किया था।

इससे साफ है कि इस वर्ष मूल्यांकन अधिक सख्त और प्रतिस्पर्धा ज्यादा रही।

खबर: एक नजर में

- जेईई मेंस 2026 सेशन-1 का रिजल्ट घोषित
- 12 अभ्यर्थियों को मिला 100 एनटीए स्कोर
- 12 में से 11 टॉपर जनरल कैटेगरी से
- राजस्थान से सबसे ज्यादा 3 टॉपर
- आंध्र प्रदेश से 2, अन्य 7 राज्यों से 1-1 टॉपर
- हिंदी पट्टी और उत्तर भारत का मजबूत प्रदर्शन
- महिला वर्ग में कोई परफेक्ट स्कोर नहीं
- आशी ग्रेवाल फीमेल टॉपर रहीं
- ओबीसी-एनसीएल से 1 अभ्यर्थी ने पाया 100 स्कोर
- एससी, एसटी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांग वर्ग में 99.99 तक स्कोर
- आंसर-की आपत्तियों के बाद 9 प्रश्न ड्रॉप
- मैथ्स के 2 और फिजिक्स के 7 प्रश्न हटाए गए

शमसाबाद स्टेशन छावनी में तब्दील, प्रदर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। क्षेत्र की लंबे समय से लंबित ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर मंगलवार को शमसाबाद रेलवे स्टेशन पर भारतीय किसान यूनियन (स्वराज) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। दर्जनों कार्यकर्ता स्टेशन परिसर में नारेबाजी करते हुए ट्रेन रोककर आंदोलन करने की तैयारी में थे। संगठन की पूर्व चेतावनी को देखते हुए रेलवे और पुलिस प्रशासन पहले से सतर्क रहा और स्टेशन परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया।

प्रदर्शन के दौरान जीआरपी व आरपीएफ के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने यूनियन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से वार्ता कर उन्हें शांत कराया। कई घंटों की बातचीत

ट्रेन रोकने को जुटे कार्यकर्ता, प्रशासन के समझाने पर सौंपा ज्ञापन

और आश्वासन के बाद कार्यकर्ताओं ने ट्रेन रोकने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर को सौंपा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं का कहना है कि शमसाबाद स्टेशन बड़ी आबादी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र का प्रमुख केंद्र है, इसके बावजूद फर्रुखाबाद-कासगंज एक्सप्रेस (15041) और कानपुर की ओर जाने वाली एक्सप्रेस (15040) का यहां ठहराव नहीं है। जबकि इस रूट की अन्य आवश्यक ट्रेनें यहां रुकती हैं।प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इन ट्रेनों के न रुकने से लखनऊ, कानपुर, कन्नौज और कासगंज जाने वाले छात्र, व्यापारी और मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उनका कहना है कि ठहराव शुरू होने से यात्रियों को सुविधा मिलेगी, आपात चिकित्सा स्थिति में मदद होगी और रेलवे के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान पप्पू राठौर, मानेंद्र, राजीव राठौर, कुलदीप सक्सेना, अर्जित सिंह, सुरजीत कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

समस्या का जल्द समाधान न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

स्टेशन मास्टर को ज्ञापन देते यूनियन नेता

खबर:एक नजर में

- ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर भाकियू स्वराज के दर्जनों कार्यकर्ता स्टेशन पर जुटे
- ट्रेन रोककर आंदोलन करने की थी तैयारी, प्रशासन पहले से अलर्ट रहा
- जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस ने स्टेशन को सुरक्षा घेरे में लिया
- अधिकारियों से कई घंटों वार्ता के बाद आंदोलन फिलहाल स्थगित
- जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर को सौंपा गया
- फर्रुखाबाद-कासगंज एक्सप्रेस (15041) और कानपुर रूट एक्सप्रेस (15040) के ठहराव की मांग
- छात्रों, व्यापारियों और मरीजों को ठहराव न होने से परेशानी का दावा
- यूनियन का कहना है ठहराव से यात्रियों को राहत और रेलवे राजस्व में बढ़ोतरी

आस्था का प्रमुख केंद्र बना अक्षय वट आश्रम

झींझक को धार्मिक पहचान देता सिद्ध स्थल, दूर-दराज से उमड़ रहे श्रद्धालु

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झींझक / कानपुर देहात। क्षेत्र में स्थित अक्षय वट आश्रम आज आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। सैकड़ों वर्ष पुराना अक्षयवट वृक्ष यहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। मान्यता है कि अक्षयवट को मोक्ष का वृक्ष कहा जाता है और सृष्टि के विनाश के बाद भी इसके हरे-भरे रहने का उल्लेख पुराणों में मिलता है।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार देश में केवल चार अक्षय वट वृक्ष प्रमुख रूप से बताए जाते हैं—प्रयागराज, वाराणसी, नासिक और चौथा झींझक नगर में स्थित है। इसी स्थल पर आज भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है, जिसे अक्षय वट आश्रम के नाम से जाना जाता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए पहुंचते हैं।

करीब 65 वर्ष पूर्व स्थापित इस आश्रम के बारे में स्थानीय लोग मानते हैं कि इसकी कृपा से नगर पर विशेष संरक्षण बना रहता है। पहले लोग अनदेखी में वृक्ष के पत्ते तोड़कर ले जाते थे, लेकिन अब आश्रम प्रबंधन द्वारा इसकी नियमित देखरेख की जा रही है। आश्रम के महंत के अनुसार अक्षय वट के पत्तों पर भगवान विभिन्न रूपों में विराजमान रहते हैं और जिस क्षेत्र में यह वृक्ष होता है, वहां बड़ी आपदाएं टल जाती हैं। दर्शन मात्र से मोक्ष की प्राप्ति होने की भी मान्यता है।

ऐसे हुई अक्षय वट स्थल की पहचान

जनश्रुति के अनुसार, वर्षों पहले यह स्थान घने जंगल से घिरा था। काशी से आए ब्रह्मचारी राधेकृष्ण रेलवे लाइन किनारे जा रहे थे, तभी उनकी नजर जंगल में खड़े दो अक्षय वट वृक्षों पर पड़ी। उन्होंने इसे दुर्लभ दर्शन बताया और तत्कालीन चेयरमैन मन्नी बाबू तिवारी को इसकी जानकारी दी। उस दिन होलिकाष्टमी थी। इसके बाद वहां शिला स्थापित कर मंदिर की नींव रखी गई, जो आगे चलकर अक्षय वट आश्रम के रूप में विकसित हुआ। आज यह स्थल झींझक की धार्मिक पहचान का प्रमुख आधार बन चुका है।

सरवनखेड़ा के पत्रकार को पितृ शोक

केशव सिंह चौहान (फाइल फोटो)

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)।सरवनखेड़ा विकास खण्ड क्षेत्र के मंगटा गांव निवासी समाचार पत्र के पत्रकार सचिन सिंह के 65 वर्षीय पिता केशव सिंह चौहान का बीती शाम दिल का दौरा पड़ने से उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से गांव और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

परिजनों के अनुसार रविवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने कानपुर स्थित हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बाद में अकबरपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।केशव सिंह चौहान समाजसेवी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे और अपने पीछे पत्नी कृष्णा देवी, पुत्र धर्मेन्द्र सिंह, राघवेंद्र सिंह तथा पत्रकार सचिन सिंह-चौहान सहित दो विवाहित पुत्रियां छोड़ गए हैं।निधन की सूचना मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों लोग उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करने लगे। परिजनों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को बिठूर घाट में किया गया.

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण न्याय पहली प्राथमिकता

जनसुनवाई में सख्त दिखीं एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय सख्त रुख में नजर आईं। उन्होंने फरियादियों की शिकायतें गंभीरता से सुनते हुए स्पष्ट कहा कि हर पीड़ित को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण और निष्पक्ष न्याय दिलाना पुलिस की पहली प्राथमिकता है। जिले के सभी क्षेत्राधिकारियों (सीओ) ने भी अपने-अपने कार्यालयों में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का संज्ञान लिया।सुनवाई में भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट, साइबर ठगी, अवैध कब्जा और अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े प्रार्थना पत्र आए। एसपी ने

थाना प्रभारियों व जांच अधिकारियों को पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने चेताया कि अनावश्यक देरी या लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई की प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराने के भी निर्देश दिए गए। कई मामलों में मौके पर समाधान कर राहत दी गई।

कम नजर वालों को बांटे गए निःशुल्क चश्में

कानपुर देहात। आंखें अनमोल होती हैं। इनको धूल गुबार और सीधी रोशनी से बचायें। वर्तमान समय में मोबाइल और लैपटॉप का बिना सुरक्षा के अत्यधिक प्रयोग करने से भी आंखों में दृष्टि दोष हो रहा है। हमें आप सभी को हानिकारक किरणों से बचाव करना चाहिए और आंखों को सुरक्षित रखना चाहिए। यह बात नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल ने कही। रसूलाबाद कस्बे के आजाद नगर वार्ड में स्थित सभासद कार्यालय में नि:शुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रसूलाबाद नगर पंचायत चेयरमैन देवशरण कमल ने करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को आंखों के चश्मे वितरित किए। आज़ाद नगर सभासद के नेतृत्व में विगत दो माह पूर्व स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि: शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया था। जहां आये लोगों की आंखों का परीक्षण हुआ था। जिसमें कई लोगों की नजर कमजोर पाई गई थी। उन्हीं लोगों को अब चश्मे बांटे गए। पंकज बाजपेई, नफीस मंसूरी, आयूष गुप्ता, गुलाम मुस्तफा,

शैलेंद्र राठौर, शाहरुख मंसूरी, अकरम वारसी, फैज मोहम्मद, अमित कुमार, शरद गुप्ता, शरीफ राईन, अब्दुल सत्तार, अन्नू सिंह आदि रहे।

फतेहगढ़ में भूतपूर्व सैनिक रैली में समस्याओं का मौके पर निस्तारण वीरनारियों का हुआ सम्मान

पेंशन, बैंकिंग, जमीन और चिकित्सा मामलों पर सुनवाई अलग-अलग काउंटर व हेल्थ कैंप लगाए गए

वीरनारी को सम्मानित करते अधिकारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। मुख्यालय स्थित राजपूत रेजीमेंट सेंटर फतेहगढ़ के करिअप्पा ग्राउंड में भूतपूर्व सैनिक रैली 2026 का भव्य आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त सैनिकों और वीर नारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों की लंबित समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर समाधान करना रहा।

रैली स्थल पर विभिन्न विभागों के अलग-अलग काउंटर स्थापित किए गए, जहां पेंशन, बैंकिंग, भूमि विवाद और चिकित्सा सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर विस्तार से सुनवाई की गई। संबंधित अधिकारियों ने प्रकरणों का प्राथमिक निस्तारण करते हुए शेष मामलों में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही चिकित्सा शिविर भी लगाया गया, जहां स्वास्थ्य परीक्षण और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर माइकल डिसूजा रहे। उन्होंने पूर्व सैनिकों से संवाद कर उनके योगदान की सराहना की और हर संभव संस्थागत सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान वीर नारियों को सम्मानित भी किया गया। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सेना और प्रशासन की संयुक्त पहल से पूर्व सैनिकों में संतोष और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

व्यापारियों की समस्याओं को सुलझाना पहला कर्तव्य

» उद्योग व्यापार मंडल श्याम बिहारी गुट ने रसूलाबाद में की बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला उद्योग व्यापार मंडल कानपुर देहात की रसूलाबाद के एक होटल में बैठक आयोजित की गई।

जिसमें व्यापार मंडल के वाइस चेयरमैन श्याम मोहन दुबे ने शिरकत की। जिला स्तरीय सभी इकाइयों की टीम में एक साथ एकत्रित होकर नई इकाइयों का गठन किया गया। व्यापारियों ने इसी बीच अपनी समस्याओं को भी बताया।

जिले में हो रही व्यापारियों की समस्याओं को लेकर श्याम मोहन दुबे ने कहा व्यापारियों की समस्याओं को सुलझाना हमारा पहला कर्तव्य है। बैठक में रसूलाबाद इकाई शिवली, सिकंदरा, झींझक, डेरापुर मंगलपुर सहित जिला स्तरीय सभी इकाईयां मौजूद रहीं।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में नई इकाइयों के गठन के बाद आवश्यक दिशा निर्देश देना था। इस मौके पर संगठन के जिला उपाध्यक्ष आलोक बाजपेयी ने बताया कि व्यापारी हित से किसी भी दिशा में समझौता नहीं किया जाएगा।

आने वाले समय में रसूलाबाद कस्बे में व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करने की हम जनपद के पुलिस अधीक्षक से मांग करेंगे। क्षेत्र व्यापार को सुगम बनाने वह व्यापारियों की समस्याओं का निदान कराने का हम अथक प्रयास करेंगे। इस मौके पर प्रमुख रूप से व्यापारी मुबीन सिद्दीकी राजा, कमल दुबे,अकील खान ,अमित पांडेय सहित कई लोग मौजूद रहे।

अकबरपुर में बैंक समय से नहीं खुलने पर खाताधारकों में नाराजगी

» 10 :30 तक करना पड़ता इंतजार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कस्बा अकबरपुर स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा में समय से बैंक न खुलने की समस्या लगातार बनी हुई है।

खाताधारकों का आरोप है कि बैंक का ताला खोलने के लिए जिम्मेदार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्याम दुबे रोजाना निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते, जिससे ग्राहकों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

बताया गया कि बैंक के अन्य कर्मचारी और खाताधारक सुबह लगभग 9:30 बजे ही शाखा पहुंच जाते हैं, लेकिन 10 बजे तक भी बैंक का ताला नहीं खुलता। कई बार ग्राहकों को 10:30 बजे तक बाहर इंतजार करना पड़ता है, जिसके बाद ही कामकाज शुरू हो पाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक तथा जिला प्रशासन के निर्देश हैं कि सभी बैंक कर्मचारी सुबह 9:30 बजे तक हर हाल में उपस्थित रहें और समय से कार्य शुरू हो, लेकिन यहां इन नियमों का पालन नहीं हो रहा।

खाताधारकों ने यह भी बताया कि सरकारी बैंकों में देरी की यह स्थिति आम हो गई है। बैंक खुलने के बाद भी लगभग 30 मिनट तक साफ-सफाई और अन्य तैयारी चलती रहती है, जिससे निकासी और जमा जैसे काम साढ़े 10 बजे के बाद ही शुरू हो पाते हैं।

ग्राहकों का कहना है कि जहां निजी बैंक सुबह करीब 9 बजे से ही काम शुरू कर देते हैं, वहीं सरकारी बैंक में देरी से आम लोगों को आर्थिक कार्यों में बाधा और समय की बर्बादी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले में कार्रवाई कर समय पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

झोलाछाप के गलत इंजेक्शन से गाय और बछड़े की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के राजपुर थाना क्षेत्र के बैना गांव में कथित गलत इलाज के चलते एक गाय और उसके बछड़े की मौत का मामला सामने आया है। पीड़ित पशुपालक ने एक झोलाछाप पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। गांव निवासी रामचरन के अनुसार, लगभग तीन दिन पूर्व उनकी गाय अचानक बीमार हो गई थी। इलाज के लिए भोगनीपुर क्षेत्र के गौर गांव से एक निजी चिकित्सक को बुलाया गया। आरोप है कि डॉक्टर ने बिना समुचित जांच किए गाय को इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के कुछ ही समय बाद गाय तथा उसके नवजात बछड़े की मौत हो गई। थानाध्यक्ष राजपुर सनत कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तान कनेक्शन, फर्जी दस्तावेज और डबल वोटर आईडी का खेल, मेरठ में 'नाजिया' गिरफ्तार

दो नामों से वोटर कार्ड, फर्जी पासपोर्ट पर विदेश यात्राएं, आईएसआई लिंक और स्लीपर सेल के आरोपों ने केस को बनाया हाई-प्रोफाइल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। मेरठ में फर्जी पहचान, डबल वोटर आईडी और संदिग्ध विदेशी कनेक्शन से जुड़े एक गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। दिल्ली गेट थाना पुलिस ने पाकिस्तान में जन्मी सबा मसूद उर्फ नाजिया को गिरफ्तार किया है, जो शादी के बाद भारत आकर लंबे समय से यहां रह रही थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि उसने दो अलग-अलग नामों से वोटर कार्ड बनवाए और फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट भी हासिल किया।

पुलिस के अनुसार आरोपी महिला करीब 1988 में निकाह के बाद लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत आई थी, लेकिन भारतीय नागरिकता लिए बिना ही तीन दशक से ज्यादा समय से रह रही थी। वर्ष 2003 में उसने अलग-अलग नामों से दो वोटर आईडी बनवा लीं। हाल ही में स्थानीय महिला की शिकायत के बाद दस्तावेजों की जांच शुरू हुई, जिसमें कई रिकॉर्ड संदिग्ध और फर्जी पाए गए।

जांच में यह भी आरोप है कि महिला ने अपनी पाकिस्तान में जन्मी बेटी के दस्तावेजों में भी हेरफेर कर भारतीय पासपोर्ट बनवाया। मां-बेटी द्वारा इन कागजात के आधार पर विदेश यात्राएं करने की बात भी सामने आई है, जो इमिग्रेशन नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जा रहा है। मामले को और संवेदनशील बनाते हैं जासूसी और नेटवर्किंग से जुड़े आरोप। शिकायत में दावा किया गया है कि आरोपी के पारिवारिक संबंध ढुड्ढ से जुड़े हैं और मां-बेटी पर संवेदनशील इलाकों में घूमकर सूचनाएं जुटाने का शक जताया गया है। पुलिस इन आरोपों की अलग से जांच कर रही है। एसपी सिटी के अनुसार प्रारंभिक जांच में फर्जी वोटर आईडी और बिना अनुमति यात्रा के तथ्य सही पाए गए हैं। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है और यह भी खंगाला जा रहा है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में किन लोगों ने मदद की।

- » पाकिस्तान मूल की महिला तीन दशक से अधिक समय से भारत में रह रही थी
- »दो अलग-अलग नामों से वोटर आईडी बनवाने का आरोप
- »फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी होने का दावा
- »बेटी के कागजात में भी हेरफेर की आशंका
- »विदेश यात्राओं का रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस
- »आईएसआई लिंक और स्लीपर सेल एंगल पर भी जांच
- »दस्तावेज तैयार करने वाले नेटवर्क की तलाश जारी

हरदोई में दामाद ने ससुर को मार डाला, शाहजहांपुर में चाचा की हत्या

- » दामाद ने ससुर के सिर पर हाकी से किए ताबड़तोड़ वार
- » जमीनी रंजिश में चाचा को गोली मारी, पांच अन्य घायल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हरदोई/शाहजहांपुर। हनुमत धाम रामताल थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। शाहजहांपुर के अल्हागंज निवासी 52 वर्षीय अशोक कुमार उर्फ पित्रे अपनी बहन के साथ मंदिर में प्रसाद चढ़ाकर बाइक से लौट रहे थे। हथौड़ा गांव के पास उनके दामाद ने उन्हें रोक लिया और हॉकी से सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर हालत में परिजन उन्हें फर्रुखाबाद के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है, आरोपी फरार है।उधर गढ़िया रंगीन थाना क्षेत्र के खमरिया गांव में जमीनी विवाद को लेकर भतीजों ने चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक मंदिर जाते समय कार में टक्कर मारकर विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद मारपीट और फायरिंग हुई। वीरेश सिंह (52) की मौके पर मौत हो गई, जबकि कार सवार पांच लोग घायल हुए। पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पांच को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

वाराणसी घाट पर टक्कर के बाद गंगा में समाई नाव, पर्यटक बचे

- » तेज रफ्तार मोटरबोट की भिड़ंत से पलटी नाव, स्थानीय नाविकों ने कूदकर बचाई जान
- »बिना लाइफ जैकेट के सफर कर रहे थे सैलानी, सुरक्षा इंतजामों पर उठ रहे बड़े सवाल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।वाराणसी के सोमवार दोपहर बड़ा नाव हादसा होते-होते टल गया। तुलसीघाट के पास गंगा में एक छोटी नाव और तेज रफ्तार मोटरबोट के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि नाव पलटकर डूब गई और उस पर सवार पर्यटक गहरे पानी में गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।जानकारी के मुताबिक हैदराबाद और पुणे से आए पांच पर्यटक गंगा पार रामनगर जाने के लिए नाव पर सवार हुए थे। घाट से कुछ दूरी पर पहुंचते ही तेज रफ्तार मोटरबोट ने नाव को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नाव असंतुलित होकर तुरंत पलट गई और सभी सवार पानी में डूबने लगे।घटना देखते ही आसपास मौजूद नाविकों ने तुरंत नदी में छलांग लगाई। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और जल पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। संयुक्त राहत अभियान चलाकर सभी पांच पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि नाव पूरी तरह डूब गई। टक्कर मारने वाली मोटरबोट का चालक मौके से फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी भी पर्यटक ने लाइफ जैकेट नहीं पहन रखी थी और नाव पर भी पर्याप्त सुरक्षा उपकरण मौजूद नहीं थे। इस घटना के बाद घाटों पर नाव संचालन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वाले नाव संचालकों पर कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

यूपी: प्रदेश के कई करोड़ बच्चों के आधार अपडेट हैं पेंडिंग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यूआईडीएआई के मुताबिक जिन स्कूलों में आधार अपडेशन पांच सौ से अधिक विद्यार्थियों का बाकी है वहां कैंप लगाया जा रहा है।प्रदेश के 3.90 करोड़ छात्र-छात्राओं का अनिवार्य आधार अपडेट पेंडिंग है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण(यूआईडीएआई) इनके आधार अपडेट करवाने के लिए लगातार जद्दोजहद में लगा है। आधार अपडेट न होने की दशा में पढ़ाई से लेकर तमाम योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। यूआईडीएआई के उप महानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि पांच व 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर आधार बायोमीट्रिक अपडेट करवाना अनिवार्य है।

वर्तमान में प्रदेश के 2.65 लाख स्कूलों के करीब 3.90 करोड़ विद्यार्थियों का आधार अपडेट होना बाकी है। ये संख्या चार करोड़ थी। जनवरी महीने में दस लाख आधार अपडेट किए गए हैं। यूआईडीएआई की तरफ से अभियान भी चलाया जा रहा है। जिसके तहत अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट निशुल्क में किया जा रहा है। उमहानिदेशक ने अपील की है कि जिनके आधार अपडेट नहीं हैं वह जल्द से जल्द करवाएं।यूआईडीएआई के अफसर के मुताबिक जिन स्कूलों में आधार अपडेशन पांच सौ से अधिक विद्यार्थियों का बाकी है वहां कैंप लगाया जा रहा है। ऐसे 98 हजार स्कूल चिन्हित किए गए हैं। जिससे छात्र-छात्राओं को सहूलियत हो रही है। यही नहीं आधार सेवा केंद्रों पर अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट के लिए अलग से काउंटर भी बनाए गए हैं। इसके लिए कोई अप्वाइंटमेंट की जरूरत नहीं है। वॉक इन व्यवस्था रखी गई है।

2.56 करोड़ की लागत से बदलेगा शहर का ट्रैफिक सिस्टम

अयोध्या की 20 सड़कों का होगा नवीनीकरण, श्रद्धालुओं की राह होगी आसान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सड़कों के नवीनीकरण का कार्य शीघ्र शुरू होने जा रहा है। इस योजना के तहत नगर क्षेत्र की कुल 20 सड़कों को 2.56 करोड़ रुपये की लागत से नया स्वरूप दिया जाएगा। प्रथम चरण में 51 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है।

सबसे महत्वपूर्ण मार्ग हनुमानगढ़ी से तपस्वी छावनी तक का है, जिससे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु गुजरते हैं। इस सड़क के सुधारीकरण से दर्शनार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही रामकथा पार्क पहुंच मार्ग का भी नवीनीकरण किया जाएगा, जहां नियमित रूप से धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं तथा वीआईपी आवागमन भी रहता है। इसके अलावा सर्किट हाउस, एसएसपी व आयुक्त आवास, प्रशासनिक कार्यालयों और विभिन्न कॉलोनियों की सड़कों को भी नए सिरे से बनाया जाएगा। इससे शहर की यातायात व्यवस्था को नया आयाम मिलेगा और जाम की समस्या में कमी आएगी।

यह कार्य लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश के निर्माण खंड-4 और प्रांतीय खंड द्वारा कराया जाएगा। विभाग की ओर से कुल 15 और 5 सड़कों के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एस.पी. भारती ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। कार्य में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा निर्धारित समयसीमा में इसे पूरा किया जाएगा। नगरवासियों और श्रद्धालुओं को उम्मीद है कि इन सड़कों के नवीनीकरण से अयोध्या की छवि और अधिक सुंदर व सुव्यवस्थित बनेगी।

नगर निगम अयोध्या में 42 करोड़ के टेंडर पर 'खामोशी का खेल'!

ठेकेदारों का आरोप: देरी जानबूझकर की जा रही है, नगर निगम में सेटिंग-साजिश की बू

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या का नगर निगम अयोध्या एक बार फिर संदेह के घेरे में है। 42 करोड़ रुपये के 94 टेंडरों को खुले हुए 14 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक यह तय नहीं हो सका कि काम किसे मिला। सवाल सीधा है जब टेंडर खुल चुका है, तो फैसला लटक क्यों रहा है? पहले 27 जनवरी की तिथि थी, फिर इसे बढ़ाकर 2 फरवरी किया गया। उसी दिन टेंडर खुले भी, लेकिन 16 फरवरी तक भी फाइनल नहीं हो पाए। ठेकेदारों का आरोप है कि यह देरी जानबूझकर की जा रही है, ताकि पसंदीदा ठेकेदार को फायदा पहुंचाया जा सके। आरएमसी प्लांट की शर्त को लेकर भी गहरी शंका जताई जा रही है, जिससे कई ठेकेदारों

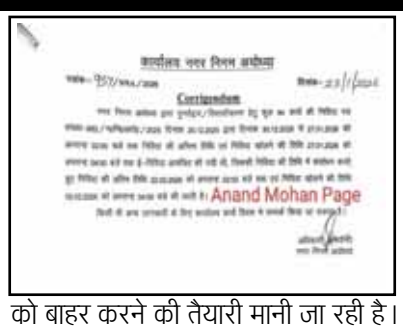

को बाहर करने की तैयारी मानी जा रही है। 94 कार्यों की लागत 40 करोड़ के आसपास है। छोटे-बड़े कामों में 30 से 60 लाख तक की राशि शामिल है। ऐसे में करोड़ों के इस खेल में पारदर्शिता का अभाव गंभीर सवाल खड़े करता है।अधिशासी अभियंता आरपी यादव का कहना है कि सत्यापन में समय लग रहा है, लेकिन सवाल यह है—क्या यह तकनीकी देरी है या मैनेजमेंट का हिस्सा?

अब जनता पूछ रही है क्या नगर निगम विकास करेगा, या फिर टेंडरों के नाम पर दलाली का अड्डा बना रहेगा?

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक शामिल हों: यश पाठक 'बाबा'

अयोध्या। समाज सेवा एवं जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए यश पाठक 'बाबा', युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी तथा जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी ने गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य मेला अयोध्या धाम 2.0 के अंतर्गत आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।उन्होंने बताया कि यह शिविर 22 फरवरी रविवार को प्रात: 9 बजे से आवध इंटरनेशनल स्कूल, राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के निकट आयोजित होगा। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया जाएगा। उन्होंने बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों व ग्रामीण नागरिकों से विशेष रूप से लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य गुरु गोरखनाथ की प्रेरणा से किया जा रहा है। अंत में उन्होंने सभी से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

फाइल फोटो

सांस्कृतिक शक्ति का राजनीतिक विस्तार

अयोध्या से मॉस्को तक रामकथा

» 20 फरवरी को मॉस्को में होगा रामलीला का भव्य मंचन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या से निकली रामकथा की गूंज जब रूस की राजधानी मॉस्को तक पहुंचती है, तो यह केवल धार्मिक या सांस्कृतिक घटना नहीं रह जाती, बल्कि भारत की सशक्त फसॉफ्ट पावरफ नीति का प्रतीक बन जाती है। 20 फरवरी को मॉस्को में होने वाला रामलीला मंचन इसी रणनीति का जीवंत उदाहरण है, जिसमें भारतीय परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा।उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या को जिस प्रकार वैश्विक पहचान मिली है, वह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सशक्त संकेत है। दीपोत्सव, राम मंदिर और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से अयोध्या अब केवल धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में उभर रही है। यह आस्था, विकास और कूटनीति को जोड़ने की सुविचारित राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

मॉस्को में 20 फरवरी को आयोजित होने वाली रामलीला भारत के दूतावास और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से संपन्न होगी। यह आयोजन भारत-रूस संबंधों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार प्रदान करता है। ऐसे कार्यक्रम राजनीतिक संवाद को मजबूत बनाते हैं और दोनों देशों के बीच विश्वास को नई ऊर्जा देते हैं। यह फसंस्कृति के माध्यम से कूटनीतिफ का प्रभावी उदाहरण है।राजनीतिक दृष्टि से यह पहल भारत की वैश्विक छवि को सुदृढ़ करती है। 20 फरवरी को मॉस्को में होने वाली रामलीला अयोध्या से निकली सांस्कृतिक चेतना का वैश्विक विस्तार है। यह केवल मंचन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रनीति का सशक्त प्रदर्शन है, जो आने वाले समय में देश की अंतरराष्ट्रीय भूमिका को और मजबूत करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर: भारत की सैन्य रणनीति सटीक कार्रवाई और संयम की सराहना

अमेरिकी कमांडर सैमुअल जे. पपारो बोले, ऑपरेशन का टैक्टिकल एग्ज़िक्यूशन प्रभावी और पेशेवर

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। यूएस इंडो-पैसेफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पपारो ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारत की सैन्य कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा है कि पूरे ऑपरेशन का टैक्टिकल एग्ज़िक्यूशन उच्च स्तर का रहा। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई पेशेवर सैन्य योजना, सटीक लक्ष्य निर्धारण और नियंत्रित प्रतिक्रिया का उदाहरण है।

अपने आधिकारिक संवाद और सुरक्षा साझेदार देशों के साथ रणनीतिक बैठकों के दौरान एडमिरल पपारो ने कहा कि वे इस ऑपरेशन का उल्लेख एक केस स्टडी के रूप में करते हैं, जहां सैन्य प्रतिक्रिया के साथ संतुलन और संयम दोनों बनाए रखे गए। उनके अनुसार, किसी भी संवेदनशील सुरक्षा स्थिति में केवल ताकत नहीं, बल्कि अनुशासित और सीमित कार्रवाई भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान जिस तरह से सामरिक स्तर पर फैसले लिए गए और उन्हें जमीन पर लागू किया गया, वह आधुनिक सैन्य संचालन के मानकों के अनुरूप है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि जटिल सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारी, खुफिया समन्वय और त्वरित निर्णय क्षमता अहम भूमिका निभाती है।

एडमिरल पपारो ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना सभी साझेदार देशों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भविष्य में ऐसी गंभीर घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सहयोग, सूचना साझेदारी और संयुक्त रणनीतिक संवाद को मजबूत करना होगा।

रणनीतिक हलकों में इस बयान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग, सैन्य समन्वय और साझेदारी को लेकर अमेरिका के दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। ऑपरेशन सिंदूर को क्षेत्रीय सुरक्षा संदर्भ में एक महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है, जिसका संबंध भारत और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा तनाव की पृष्ठभूमि से जोड़ा जा रहा है।

- अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमान के कमांडर सैमुअल जे. पपारो ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की
- टैक्टिकल एग्ज़िक्यूशन को बताया उच्च स्तर का और पेशेवर
- सैन्य कार्रवाई में संयम और नियंत्रण को बताया महत्वपूर्ण तत्व
- पार्टनर देशों के साथ बैठकों में ऑपरेशन का उदाहरण देने की बात कही
- सामरिक योजना, सटीक लक्ष्य और नियंत्रित जवाब को ऑपरेशन की खासियत बताया
- क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बहुपक्षीय सहयोग पर जोर
- भविष्य में गंभीर सुरक्षा घटनाएं रोकने के लिए संयुक्त प्रयास की जरूरत बताई
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा साझेदारी मजबूत करने का संकेत

बांग्लादेश में अब तारिक रहमान सरकार

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

- शपथ ग्रहण समारोह में देश-विदेश के कई अतिथि और राजनयिक प्रतिनिधि शामिल हुए

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव के बीच तारिक रहमान ने देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को हालिया आम चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिला है। शपथ ग्रहण समारोह राजधानी ढाका में आयोजित हुआ, जिसमें देश-विदेश के कई गणमान्य अतिथि और राजनयिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

समारोह में राष्ट्रपति ने नए प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही और सरकारी प्रोटोकॉल के तहत विदेशी मेहमानों का स्वागत किया गया। बीएनपी समर्थकों ने इसे लोकतांत्रिक बदलाव का महत्वपूर्ण क्षण बताया। चुनाव में भारी जीत के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज़ी से पूरी की गई।

शपथ ग्रहण समारोह में कई देशों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहे। भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाग लेकर आधिकारिक प्रतिनिधित्व किया। क्षेत्रीय देशों के राजनयिकों और दूतावास अधिकारियों की उपस्थिति भी दर्ज की गई। नई सरकार ने अपने शुरुआती संकेतों में प्रशासनिक सुधार, आर्थिक स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग को प्राथमिकता बताई है। नई सरकार के सामने आर्थिक चुनौतियाँ, निवेश माहौल सुधारना, महंगाई नियंत्रण और संस्थागत भरोसा मजबूत करना प्रमुख कार्यसूची में शामिल बताए जा रहे हैं। शपथ के बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए सुशासन, पारदर्शिता और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंधों पर जोर दिया।

हंपी गैंगरेप-मर्डर केस में बड़ा फैसला तीनों दोषियों को फांसी की सजा

लूट, सामूहिक दुष्कर्म और पर्यटक की हत्या को अदालत ने बताया "रेयरेस्ट ऑफ रेयर" अपराध

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

बैंगलुरू। कर्नाटक के चर्चित हंपी गैंगरेप-मर्डर मामले में अदालत ने ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाते हुए तीनों दोषियों – मल्लेश उर्फ हांडीमल्ला, साई और शरणप्पा – को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह अपराध अत्यंत क्रूर, सुनियोजित और समाज को झकझोर देने वाला है, इसलिए इसे ÷रेयरेस्ट ऑफ रेयर÷ श्रेणी में रखा जाता है, जहां मृत्युदंड उचित है।

यह घटना मार्च 2025 में हंपी के पास हुई थी। जांच के मुताबिक आरोपी पर्यटक क्षेत्र में घूम रहे लोगों को निशाना बनाकर लूटपाट करते थे। घटना वाले दिन भी आरोपियों ने पहले पर्यटकों से मारपीट कर लूट की। इसके बाद महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। विरोध करने और बचाव की कोशिश करने पर एक पुरुष पर्यटक को नहर में धक्का दे दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर जांच की। तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चार्जशीट में कई ठोस फॉरेंसिक साक्ष्य शामिल किए गए।

- घटना: मार्च 2025, हंपी के पास पर्यटक क्षेत्र
- आरोप: लूटपाट, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या
- पुरुष पर्यटक को नहर में धक्का देने से मौत
- तीनों आरोपी गिरफ्तार, ट्रायल के बाद दोष सिद्ध
- फॉरेंसिक और मेडिकल साक्ष्य कोर्ट में निर्णायक साबित
- अदालत ने अपराध को "रेयरेस्ट ऑफ रेयर" माना
- तीनों दोषियों को मृत्युदंड की सज़ा सुनाई गई
- फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देने का कानूनी विकल्प खुला

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपियों ने न केवल जघन्य अपराध किया, बल्कि पीड़ितों की जान और गरिमा दोनों पर हमला किया। बचाव पक्ष की दलीलों को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि ऐसे अपराधों में नरमी का कोई आधार नहीं बनता। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह के मामलों में सख्त सज़ा से ही समाज में कड़ा संदेश जाएगा और पीड़ितों को न्याय मिल सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com